पोत-निर्माण की चुनौती: भारतीय शिपयार्डों की डिलीवरी-पाइपलाइन लगभग दोगुनी, पर वैश्विक ऑर्डर में हिस्सा सिर्फ़ 0.5%

प्रारंभिक परीक्षा – अभ्यास प्रश्न | समाचार संदर्भ: 22 अक्टूबर 2026 | प्रकाशित: 27 अक्टूबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग संघ BIMCO के मुख्य शिपिंग विश्लेषक नील्स रासमुसेन के हवाले से आई मीडिया-रिपोर्ट के अनुसार, 1 सितंबर 2026 को भारतीय शिपयार्डों की ऑर्डर-बुक 1.1 मिलियन कम्पेन्सेटेड ग्रॉस टनेज (CGT) थी। यह वैश्विक कुल का सिर्फ़ 0.5% है और भारत दुनिया में 12वें स्थान पर रहा।

मुख्य तथ्य

- **भारत की स्थिति:** रासमुसेन के अनुसार भारत चीन, दक्षिण कोरिया, जापान, इटली, रूस, फ्रांस, वियतनाम, जर्मनी, फिलीपींस, अमेरिका और नीदरलैंड से पीछे है।
- **आने वाली गतिविधि:** 2026-2030 के लिए तय डिलीवरी 2021-2025 में दिए गए टनेज के लगभग दोगुने के बराबर हैं। इस अवधि में और ऑर्डर मिलने पर यह मात्रा बढ़ सकती है।
- **सरकारी पैकेज:** केंद्र का ₹69,725 करोड़ का पोत-निर्माण पैकेज भारत को 2030 तक दुनिया के शीर्ष 10 और 2047 तक शीर्ष 5 पोत-निर्माण देशों में लाने का लक्ष्य रखता है।
- **वैश्विक ऑर्डर-बुक:** 1 सितंबर 2026 को यह रिकॉर्ड 203.2 मिलियन CGT रही, जो एक साल पहले से 13% अधिक है। इससे पहले का उच्चतम स्तर 2008 में 195.4 मिलियन CGT था।

- **चीन का दबदबा:** पिछले एक वर्ष में दुनिया भर में अनुबंधित टनेज का 74% चीन को मिला। वैश्विक ऑर्डर-बुक में चीन का हिस्सा 64%, दक्षिण कोरिया का 19% और जापान का 6% है। छह प्रमुख मालवाहक क्षेत्रों (कंटेनर जहाज़, टैंकर, ड्राई बल्क आदि) में से हर एक में चीन के पास 72% से अधिक ऑर्डर हैं। कंटेनर जहाज़ ही ऑर्डर पर मौजूद वैश्विक टनेज का 30% हैं।
- **क्षमता का दबाव:** चीनी शिपयार्ड 2028 में रिकॉर्ड 44 मिलियन CGT की डिलीवरी करने वाले हैं, जबकि 2025 में यह 22.7 मिलियन CGT थी। रासमुसेन के अनुसार इसके लिए ज़रूरी क्षमता-विस्तार से, भविष्य में ऑर्डर कमज़ोर पड़ने पर, क्षमता के कम उपयोग का जोखिम बढ़ सकता है।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक: CGT का अर्थ, ₹69,725 करोड़ के पैकेज के लक्ष्य-वर्ष (2030 और 2047) तथा BIMCO का स्वरूप।

मुख्य परीक्षा: समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, पोत-निर्माण का रणनीतिक महत्व, और वैश्विक बाज़ार में एक देश के दबदबे से जुड़े जोखिम।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

भारत की पोत-निर्माण महत्वाकांक्षा के सामने मौजूद चुनौतियों की चर्चा कीजिए। वैश्विक ऑर्डर-बुक में कुछ देशों के दबदबे के बीच भारत अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए क्या कर सकता है? (250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: BIMCO के मुख्य शिपिंग विश्लेषक के हवाले से 1 सितंबर 2026 को भारतीय शिपयार्डों की 1.1 मिलियन CGT ऑर्डर-बुक - वैश्विक कुल का 0.5% और दुनिया में 12वाँ स्थान - को आधार बनाएँ।

मुख्य भाग में: चुनौतियाँ बताएँ - पिछले एक वर्ष में दुनिया भर में अनुबंधित टनेज का 74% और वैश्विक ऑर्डर-बुक का 64% चीन के पास (दक्षिण कोरिया 19%, जापान 6%), छह प्रमुख मालवाहक क्षेत्रों में चीन के 72% से अधिक ऑर्डर, और 2028 में चीनी शिपयार्डों की 44 मिलियन CGT डिलीवरी से क्षमता-दबाव। आधार भी रखें - 2026-2030 के लिए तय डिलीवरी 2021-2025 की लगभग दोगुनी, और ₹69,725 करोड़ के पोत-निर्माण पैकेज के 2030 तक शीर्ष-10 व 2047 तक शीर्ष-5 के लक्ष्य। हिस्सेदारी बढ़ाने की राह में पैकेज के साथ ऑर्डर हासिल करना और क्षमता बढ़ाना, तथा एक देश के दबदबे से जुड़े जोखिमों पर चर्चा करें।

निष्कर्ष में: पोत-निर्माण के रणनीतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की राह पर निष्कर्ष दें।

स्रोत और सीमाएँ

- The Hindu, 22 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): Indian shipyards double delivery pipeline, but still hold only 0.5% of global orders
- **सीमाएँ:** सभी आँकड़े उक्त रिपोर्ट में दिए गए BIMCO विश्लेषक के बयानों और आँकड़ों पर आधारित हैं। BIMCO का मूल आँकड़ा-स्रोत हमने सीधे नहीं देखा।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. 1 सितंबर 2026 को भारतीय शिपयार्डों की ऑर्डर-बुक वैश्विक कुल का लगभग कितना हिस्सा थी?

(a) 0.5%

(b) 5%

(c) 12%

(d) 19%

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (a)। रिपोर्ट के अनुसार भारत की 1.1 मिलियन CGT की ऑर्डर-बुक वैश्विक कुल का सिर्फ़ 0.5% थी।

प्रश्न 2. केंद्र के ₹69,725 करोड़ के पोत-निर्माण पैकेज का रिपोर्ट में बताया गया लक्ष्य क्या है?

(a) 2030 तक शीर्ष 5 और 2047 तक शीर्ष 3 पोत-निर्माण देश बनना

(b) 2030 तक शीर्ष 10 और 2047 तक शीर्ष 5 पोत-निर्माण देश बनना

(c) 2028 तक शीर्ष 10 पोत-निर्माण देश बनना

(d) 2047 तक सबसे बड़ा पोत-निर्माता बनना

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (b)। रिपोर्ट के अनुसार पैकेज का लक्ष्य भारत को 2030 तक शीर्ष 10 और 2047 तक शीर्ष 5 पोत-निर्माण देशों में लाना है।

प्रश्न 3. रिपोर्ट में बताए गए वैश्विक पोत-निर्माण ऑर्डर-बुक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. 1 सितंबर 2026 को वैश्विक ऑर्डर-बुक 203.2 मिलियन CGT के रिकॉर्ड स्तर पर थी।
II. वैश्विक ऑर्डर-बुक में चीन का हिस्सा 64% है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल I

(b) केवल II

(c) I और II दोनों

(d) न I, न II

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (c) I और II दोनों। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक ऑर्डर-बुक रिकॉर्ड 203.2 मिलियन CGT रही और उसमें चीन का हिस्सा 64% है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: पोत-निर्माण में भारत की ऑर्डर-बुक और भविष्य के लक्ष्य अलग हैं; अपेक्षित डिलीवरी को प्राप्त उत्पादन नहीं माना गया है।

प्रश्न: रिपोर्ट के अनुसार भारत की वैश्विक ऑर्डर-बुक हिस्सेदारी कितनी थी?

1 सितंबर 2026 को यह 0.5% बताई गई। भारत 12वें स्थान पर था।

प्रश्न: सरकारी पोत-निर्माण पैकेज के लक्ष्य क्या हैं?

₹69,725 करोड़ का पैकेज भारत को 2030 तक शीर्ष 10 में लाने का लक्ष्य रखता है। 2047 तक शीर्ष 5 में लाने का लक्ष्य है।

प्रश्न: क्षमता-विस्तार का संभावित जोखिम क्या बताया गया?

रासमुसेन के अनुसार भविष्य में ऑर्डर कमजोर पड़ने पर क्षमता का कम उपयोग हो सकता है। इसलिए अपेक्षित डिलीवरी के लिए विस्तार और भविष्य की माँग को अलग देखना चाहिए।